SET-2

Series BVM/4

कोड नं.
Code No. **2/4/2**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं – क, ख, ग ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *12*

जीवन दो ढंग से जिया जा सकता है – औरों की सुनकर या अपनी सुनकर । जीवन या तो अनुकरण होता है या स्वस्फूर्त । या तो भीतर की रोशनी से कोई चलता है या उधार की ।

जो उधार जीता है, व्यर्थ जीता है क्योंकि जो उधार जीता है उसका जीवन थोथा होगा, मिथ्या होगा, ऊपर-ऊपर होगा, लिपा-पुता होगा । जो व्यक्ति स्वस्फूर्त जीवन जीता है, उसके जीवन में सत्य की संभावना है ।

अनुकरण धर्म नहीं है, यद्यपि वही धर्म बनकर मनुष्य की छाती पर बैठ गया है । सारी पृथ्वी उन लोगों से भरी है, जो दूसरों का अनुकरण कर रहे हैं । उन्हें पता नहीं; सत्य क्या है ? परमात्मा क्या है ? न कभी पूछा, न कभी जिज्ञासा की । अन्वेषण के लिए श्रद्धा चाहिए, स्वयं पर श्रद्धा चाहिए ।

धर्म के नाम पर हमें दूसरों पर श्रद्धा करने के लिए सिखाया जा रहा है । स्वयं पर श्रद्धा ही धर्म है । लेकिन स्वयं पर श्रद्धा अग्नि से गुज़रने जैसी है । स्वयं पर श्रद्धा पाने के लिए पहला कदम नास्तिकता है, आस्तिकता नहीं ।

दूसरे का अनुकरण सस्ता है, सुगम है । न कहीं जाना है, न कुछ खोजना है, न कुछ दाँव पर लगाना है । बस, बासी बातों को मान लेना है । भीड़ जो कहे उसको स्वीकार कर लेना है ।

प्रभाव से जो जीता है, वह जीता ही नहीं है । सारी दुनिया करीब-करीब प्रभाव से जीती है । तुम जिसके प्रभाव में पड़ गए, उसके ही रंग में रंग जाते हो । तुम्हारी कोई निजता नहीं है । तुम्हारा अपने भीतर कोई स्वयं का बोध नहीं है कि तुम सोचो, विचारो, विमर्श करो, निर्णय लो ।

कर्म तुम्हें बाँधेगा, अगर अनासक्त न हो । और कर्म अनासक्त तभी होता है जब ध्यान से आविर्भूत होता है और ध्यान अनुकरण नहीं है । ध्यान स्वभाव में ठहर जाने का नाम है । ध्यान स्वभाव में रम जाने का नाम है । तुम्हारा ज्ञान भी तभी तुम्हारा ज्ञान होगा, जब तुम्हारे भीतर से जगेगा । अगर किसी को स्वभाव की तलाश करनी हो तो जो दूसरों ने सिखाया हो, उस सबको विदा कर दो । उसमें कई बातें बड़ी हीरे जवाहरात जैसी लगेंगी, दिल करेगा कि बचा लें । मगर जो उधार है वह हीरा भी हो तो भी नकली है ।

(क) जीवन जीने के ढंग से आप क्या समझते हैं ? इसके क्या-क्या ढंग बताए गए हैं ? *2*

(ख) जो उधार जीता है व्यर्थ जीता है – कैसे ? *2*

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए : *2*
“प्रभाव से जो जीता है, वह जीता ही नहीं है ।”

(घ) अन्वेषण और अनुकरण में क्या अंतर है ? *2*

(ङ) लेखक निजता को महत्त्वपूर्ण क्यों मानता है ? *2*

(च) कर्म कब बाँधता है ? *1*

(छ) गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

लड़ने के लिए चाहिए
थोड़ी-सी सनक, थोड़ा-सा पागलपन
और एक आवाज़ को बुलंद करते हुए
मुफ़्त में मर जाने का हुनर
बहुत समझदार और सुलझे हुए लोग
नहीं लड़ सकते कोई लड़ाई
नहीं कर सकते कोई क्रांति
जब घर में लगी हो भीषण आग
आग की जद में हों बहनें और बेटियाँ
तो आग के सीने पर पाँव रखकर
बढ़कर आगे उन्हें बचा लेने के लिए
नहीं चाहिए कोई दर्शन या कोई महान विचार
चाहिए तो बस
थोड़ी-सी सनक, थोड़ा-सा पागलपन
और एक खिलखिलाहट को बचाने के लिए
झुलस जाने का हुनर ।

(क) लड़ने के लिए हमें क्या चाहिए ?
(ख) समझदार और सुलझे हुए लोग क्यों नहीं लड़ सकते ?
(ग) 'घर में भीषण आग लगने' से कवि का क्या तात्पर्य है ?
(घ) 'झुलस जाने का हुनर' – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

जैसे खड़े होना, वैसे ही झुकना भी
एक स्वाभाविक क्रिया है
कितनी ही चीज़ें बिना झुके पहुँच से बाहर रहती हैं
कुछ चीज़ें हाथ से जानबूझकर इसलिए गिर जाती हैं
कि हम अगर झुकना या पूरी तरह झुकना भूल गए हों
तो न भूलें और याद हो तो फिर ठीक से याद रखें
किसी के पैर छूने के लिए हम झुकें न झुकें
मगर माँ-बाप, पत्नी-बच्चों, मौसी-मामा
आदि के समझाने पर हमें कई बार झुकना पड़ता है
ईश्वर के सामने तो उसके मानने वाले, खैर
रोज ही झुकते हैं बल्कि दिन में कई-कई बार
कुछ आदतन, कुछ इरादतन, कुछ चापलूसी में

इतने ज्यादा झुके रहते हैं कि सीधे खड़े होना भूल जाते हैं ।
कुछ के आगे झुक जाने का
और कुछ के आगे न झुक पाने का अफसोस
कई बार हमें ज़िन्दगी भर रहता है
मगर वक्त बीत जाने के बाद हम कुछ नहीं कर पाते
कुछ करते हैं तो हास्यास्पद बन जाते हैं

(क) स्वाभाविक क्रिया किसे माना गया है ?

(ख) कवि के विचार से कुछ चीज़ें जानबूझकर हाथ से क्यों गिर जाती हैं ?

(ग) झुकने का चापलूसी से क्या संबंध है ?

(घ) हमें अपने जीवन में किस बात का अफसोस रहता है ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) हिन्दी हमारी पहचान

(ख) स्मार्ट कक्षा के लाभ

(ग) जल रहेगा हम रहेंगे

(घ) गंगा नदी

4. पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे आत्म सुरक्षा-प्रशिक्षण-अभियान की सराहना करते हुए दिल्ली के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आए दिन सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं तथा उनसे बचाव के लिए अपने राज्य के परिवहन मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर उपाय भी सुझाइए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) जनसंचार से आप क्या समझते हैं ?

(ख) संचार माध्यमों के संदर्भ में ‘द्वारपाल’ क्या है ?

(ग) रेडियो की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(घ) संदेह करना पत्रकार का गुण क्यों माना जाता है ?

(ङ) उल्टा पिरामिड शैली क्या है ?

6. ‘बच्चों में दृष्टि-दोष की समस्या’ – विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए । *3*

अथवा

हाल ही में पढ़ी कहानी की किसी पुस्तक की समीक्षा कीजिए ।

7. ‘खेल के क्षेत्र में उभरता भारत’ विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । *3*

अथवा

‘सेना में महिलाओं की बढ़ती रुचि’ विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

ज़िंदगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है ।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है –
संवेदन तुम्हारा है !

(क) काव्यांश में व्यक्त कवि के व्यक्तित्व की सहजता पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) 'गरबीली गरीबी' कथन का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'भीतर की सरिता' से कवि का क्या आशय है ? वह मौलिक कैसे है ?

अथवा

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें ।
कज़रारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।
हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से
उसे कोई तनिक रोक रक्खो ।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती-बँधी बगुलों की पाँखें ।

(क) 'आँखें चुराए लिए जाने' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(ख) प्रकृति के सौंदर्य पर मुग्ध कवि की मन:स्थिति पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) कवि किसे रोकने की बात करता है और क्यों ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश का शिल्प-सौंदर्य लिखिए ।

अथवा

उहाँ राम लछिमनहि निहारी । बोले वचन मनुज अनुसारी ।।
अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ । राम उठाइ अनुज उर लायऊ ।।

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश का शिल्प-सौंदर्य लिखिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) चिड़िया, फूल और बच्चों के बहाने कविता की किन विशेषताओं को कुँवर नारायण ने उजागर किया है ?

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' के घटनाक्रम के बाद किसी अपाहिज को कैसा लगा होगा ? उसकी भावनाओं को उसी की ओर से व्यक्त कीजिए ।

(ग) कवितावली से संकलित पदों के आधार पर तुलसीदास के समय की सामाजिक अवस्था पर टिप्पणी कीजिए ।

(घ) 'छोटा मेरा खेत' कविता के रूपक में कविकर्म और कृषिकर्म में कवि ने किस प्रकार साम्य बिठाया है ?

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

वर्षा के बादलों के स्वामी हैं इंद्र, और इंद्र की सेना टोली बाँध कर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए । पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो । बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर-भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं । कैसी निर्मम बरबादी है पानी की । देश की कितनी क्षति होती है इस तरह के अंधविश्वासों से ।

(क) इंद्र सेना किसे कहा गया है और क्यों ?

(ख) लेखक को कौन-सी बात समझ नहीं आती थी और क्यों ?

(ग) 'कैसी निर्मम बरबादी है पानी की' – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

चार्ली की अधिकांश फिल्में भाषा का इस्तेमाल नहीं करतीं, इसलिए उन्हें ज़्यादा-से-ज़्यादा मानवीय होना पड़ा । सवाक् चित्रपट पर कई बड़े-बड़े कॉमेडियन हुए हैं, लेकिन वे चैप्लिन की सार्वभौमिकता तक क्यों नहीं पहुँच पाए इसकी पड़ताल अभी होने को है । चार्ली का चिर-युवा होना या बच्चों जैसा दिखना एक विशेषता तो है ही, सबसे बड़ी विशेषता शायद यह है कि वे किसी भी संस्कृति को विदेशी नहीं लगते । यानी उनके आसपास जो भी चीज़ें, अड़ंगे, खलनायक, दुष्ट औरतें आदि रहते हैं वे एक सतत 'विदेश' या 'परदेस' बन जाते हैं और 'चैप्लिन' 'हम' बन जाते हैं ।

(क) मानवीय होने का क्या तात्पर्य है ? चैप्लिन को अधिक मानवीय क्यों होना पड़ा ?

(ख) चार्ली सार्वभौमिक थे, कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) चार्ली किसी भी संस्कृति को विदेशी क्यों नहीं लगते ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) 'भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा' – महादेवी जी ने यह क्यों कहा ? तीन कारण लिखिए । *3*

(ख) 'बाज़ार दर्शन' के आधार पर बाज़ार की तीन विशेषताएँ लिखिए । *3*

(ग) जाति प्रथा को श्रमविभाजन का रूप न मानने के पीछे डॉ आम्बेडकर के तर्कों को संक्षेप में समझाइए । *3*

(घ) आपके विचार से 'नमक' कहानी का मूल संदेश क्या है ? *1*

13. किशन दा और यशोधर बाबू के संबंधों पर टिप्पणी करते हुए पुष्टि कीजिए कि किशन दा के प्रभाव से वे आजीवन मुक्त नहीं हो पाए । *4*

अथवा

'जूझ' पाठ के आधार पर लेखक के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) 'डायरी के पन्ने' पाठ में औरतों को वीर सिपाहियों से अधिक मजबूत और बहादुर क्यों कहा गया है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) "सिंधु घाटी के लोगों में सादगी और सुरुचि का महत्त्व अधिक था" – कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।

(ग) यशोधर बाबू की पत्नी तो समय के साथ अपने को ढालने में सफल होती है किन्तु यशोधर बाबू असफल रहते हैं । 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित उत्तर लिखिए ।

(घ) 'जूझ' शीर्षक पाठ कथानायक की किन चारित्रिक विशेषताओं की ओर संकेत करता है ? इस संदर्भ में पाठ के शीर्षक के औचित्य को समझाइए ।